

रेलवे मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) और (ख) जाँ नहीं। सही स्थिति यह है कि 7-11-66 को लगभग 16 30 बजे डानकुनी स्टेशन पर एक पुलिस उप-अधीक्षक द्वारा गाड़ी न० 176 डाउन से बारह बोरीचावल कब्जे में कर लेने पर चार-पांच सौ तस्करोँ और वहाँ तैनात पुलिस दल के बीच दंगा-फसाद हो गया। अपने कर्मचारियों और स्थानीय जनता के साथ सहायक उप-निरीक्षक रेलवे सुरक्षा दल, डानकुनी ने पुलिस उप-अधीक्षक को यह विश्वास दिलाया कि वह वास्तव में ब्रुक किया गया परेषण है। इस पर उस परेषण को छोड़ दिया गया और हट भीड़ गयी। भड़काना पथराव किये जाने से 9 तस्करोँ, राज्य सरकारी रेलवे पुलिस के एक सिपाही और पुलिस उप-अधीक्षक की हल्की चोटें आयीं। रेलसंपत्ति का कोई क्षति नहीं हुई। इस शिर्कामले में पुलिस ने पांच व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। हावड़ा की राज्य सरकारी रेलवे पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 147/148/332 के अधीन एक मामला दर्ज कर लिया है और इसकी जांच हो रही है।

दिल्ली रेलवे स्टेशनों का नवीकरण

2991. श्री यु० व० सिंह :

श्री शिंदरे :

श्री हुकम चन्द कछवाय :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का विचार दिल्ली के दो मुख्य स्टेशनों का नवीकरण करने का है ;

(ख) यदि हाँ, तो इस कार्य पर कितना व्यय होने का अनुमान है; और

(ग) यह कार्य कब पूरा हो जाने का संभावना है ?

रेलवे मंत्रालय में राज्य-मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) फिलहाल ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ख) और (ग). सवाल नहीं उठता।

Import of Maize

2992. Shri Muthu Gounder: Will the Minister of Commerce be pleased to state:

(a) the quantities of maize imported from U.S.A. in the past three years for food purposes and for making starch to meet commercial needs; and

(b) the prices at which it was imported and the prices at which the maize and the starch made out of it were sold?

The Minister of Commerce (Shri Manubhai Shah): (a) and (b). No maize was imported in the past three years for food purposes. The following quantities were imported for the production of starch:

Year	Quantity	C.I.F. price at Kandla imported
1963-64	53,687 tons	Rs. 1,63,18,938/-
1964-65	1,10,935 tons	Rs. 3,55,20,263/-
1965-66	1,31,208 tons	Rs. 4,53,95,133/-

During 1963-64, starch was sold at Rs. 40-41 per bag of 50 kgs. In 1964-65, the prices remained stationary upto September 1964, but afterwards the prices rose sharply to about Rs. 100 per bag. This tendency was soon brought under control and the starch manufacturers agreed voluntarily to sell the starch at Rs. 57 to 60 per bag during 1965-66.

दो शायिकाओं वाले शयन डिब्बे

2993. श्री यु० व० सिंह :

श्री हुकम चन्द कछवाय :

श्री काशीराम मुन्त

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि दो शायिकाओं वाले शयन डिब्बों में यात्रियों के सामान की रक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है;